केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

रविवार, ५ मार्च, २०१७ **समय : दोपहर २.०० से ५.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (९)	
	३ (८)	
	४ (६)	
	५ (५)	
	६ (६)	
	७ (८)	
	विभाग-१, कुल गुण (५१)	

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	८ (९)	
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (५)	
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (४९)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''हरिभक्तों में श्रेष्ठ कौन है ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ | |

२. ''उनकी वाणी से मानो अमृत बरस रहा है....''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ | |

३. ''अरे, यह तो बड़ी अद्‌भुत बात है। तुम लोगों को कहाँ से खबर मिली ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. महाराज ने मूलजी और कृष्णजी को बाहर निकाल दिया।
२. प्रकट ब्रह्मस्वरूप संत का ध्यान व पूजा हो सकती है।
३. महाराज जीवाखाचर से अत्यंत प्रसन्न हुए।
४. सुरा खाचर, सोमला खाचर आदि भक्त रामबाई पर बहुत प्रसन्न हुए।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ९		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. संप्रदाय के शास्त्र : भक्तचिंतामणि **अथवा** २. पार्षद

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. महाराज के जति सुरा खाचर **अथवा** ४. जनमंगलस्तोत्रम्

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ८		नाम	प्र - ४ गुण - ६		नाम

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ६)

१. कौन से तीन दोष हमें सत्संग से गिरा देते हैं ? गुण : १

२. श्रीजीमहाराज ने पंचाला १ में कौन सा सुख अत्यधिक कहा है ? गुण : १

३. वणिकों ने कब महाराज के आश्रित बनने की बात की ? गुण : १

४. सुराखाचर की वाक्‌पटुता कैसी थी ? गुण : १

५. प्रमुखस्वामी महाराज की मानसी पूजा शास्त्रसंमत है। ऐसा किस वचनामृत के आधार पर कहा जा सकता है ? गुण : १

६. तीर्थ किस से मुक्त करता है ? गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम	प्र - ६ गुण - ६		नाम

प्र. ५ 'भक्त पर यदि दु:खो.....' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए। (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। (कुल गुण : ६)

विषय : गृहस्थाश्रमी के विशेष धर्म

१. लोगों के व्यवहार में मध्यस्थता नहीं करनी चाहिए। **२.** अतिथि का अपने सामर्थ्य के अनुसार उनका भोजन, वस्त्रादि से आदर करना चाहिए। **३.** आपत्काल हो तब स्त्रियों की रक्षा करनी चाहिए। **४.** रसेन्द्रिय को विशेषरूप से जीतें। **५.** माता-पिता, गुरु तथा रोग से पीड़ित व्यक्ति की सेवा करनी चाहिए। **६.** अपनी आवश्यकतानुसार अनाज, द्रव्य इत्यादि का संग्रह करना चाहिए। **७.** बहुमूल्य वस्त्र नहीं पहनने चाहिए। **८.** निकटतम संबंधी के अलावा किसी भी विधवा स्त्री का स्पर्श न करें। **९.** आठ प्रकार के ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। **१०.** शुभ कार्यों के निर्णय में और लेन-देन करते वक्त लिखित साक्षी में ही करना चाहिए। **११.** अपने से अधिक संपत्तिवालों को देखकर दु:खी होना चाहिए। **१२.** अपनी स्त्री का दान कदापि नहीं करना चाहिए।

(१) केवल सही क्रमांक | | | | | | | गुण : ३ |

(२) यथार्थ घटनाक्रम | | | | | | | गुण : ३ |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ८		नाम

प्र. ७ निम्नलिखित जनमंगलस्तोत्रम् / कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। (कुल गुण : ८)

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री स्वामिनारायणाय नमः .....

.....

.....

..... ॐ श्री कृष्णार्चास्थापनकराय नमः ॥ गुण : २

२. वहाला तारी नाभी .....

.....

.....

..... नव कहुं रे लोल। गुण : २

३. धर्मस्थितैरुपगतैर्बृहता .....

.....

.....

..... शरणं प्रपद्ये ॥ गुण : २

४. दृष्टाः स्पृष्टा नता ..... स्यान्मुमुक्षोः ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए।

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ८ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''हम आपको त्यागी दीक्षा जरूर देंगे, परंतु क्या आप अपना घर जलाकर आए हैं ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''तुम्हें साधु कभी नहीं होना है। हमारे घर-परिवार की इज्जत पर तुझे कालिमा पोतनी है क्या ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ९		नाम

३. ''कथा में जो भी बैठे हैं, उन सबको गले लगाना चाहिए।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.९ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. स्वामी के आते ही सुराखाचर उनको महाराज के पास ले गए।
२. खंभात के नवाब ने संतों को सुतरफेनी का भोजन करवाया।
३. स्वामी ने रघुवीरजी महाराज की सभी ग्रंथियाँ पीधला दी।
४. स्वामी की बातों से पंचविषय के मूल कटते हैं।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३

(   )

गुण : ३

(   )

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ९		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं <u>दो</u> विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. तुलसी दवे को समाधि। २. घनश्यामदास को सच्चे चक्रवर्ती का स्वरूप समज में आया।

३. श्रीजीमहाराज ने कल्याणभाई को स्वामी के स्वरूप का निश्चय करवाया।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४

( )

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. मुक्तानंद स्वामी ने छत के नीचे किस को किस लिए खड़े हुए देखा? गुण : १

.....

.....

२. उगा खुमाण ने अपने आदमी को क्या आदेश दिया? गुण : १

.....

.....

३. महाराज ने स्वामी को किस लिए केवल क्या पीने की संमति दी? गुण : १

.....

.....

४. स्वामी पुरुषोत्तम नारायण का यथार्थ स्वरूप किसको समजाते थे? गुण : १

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – ११ गुण – ५		नाम

५. धरमपुर जाते वक़्त रास्ते में किसकी सेवा में कौन रुक गए? | गुण : १ |

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए।
(बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ४)

१. दरिद्रता मिटाई २. पीताबंरदास को ब्रह्मस्थिति का अनुभव

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम	प्र - १३ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ : .....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. रघुवीरजी महाराज का आदेश — गुण : २ [ ]

(१) [ ] सभा में स्वामी ही बातें करेंगे।

(२) [ ] उनको जामनगर जाने दीजिए।

(३) [ ] रामायण की अद्‌भुत बातें की।

(४) [ ] जिन को पसंद न हो वे गाँव-गाँव सत्संग कराने निकल जाएँ।

२. सूक्ष्म तप — गुण : २ [ ]

(१) [ ] हरिभक्त मग लाए। (२) [ ] कमर पर डोरी बांध रखी थी।

(३) [ ] हमेशा भूख सहन करते थे। (४) [ ] ये मग कोई खा जाए तो अच्छा है।

३. बालचरित्र — गुण : २ [ ]

(१) [ ] ठाकोरजी तो मेरे हृदय में बिराजते हैं। (२) [ ] जनेऊ के गीत गाओ।

(३) [ ] बृहस्पति के समान विद्वान बनेगा। (४) [ ] सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करेगा।

४. गुणातीतानंद स्वामी की रुचि — गुण : २ [ ]

(१) [ ] कंकड़वाली जमीन पर बिना कुछ बिछाये सो गए।

(२) [ ] कल्याण की गरज मुझे भी है।

(३) [ ] जेतपुर में पधारे।

(४) [ ] ये संत बहुत आगे निकल जाएगें।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १४ गुण - ६		नाम

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए। (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **हमारे अक्षरधाम की भेंट :** इस प्रकार महाराज ने संवत् १८७३ की वैशाखी एकादशी के दिन स्वामी को गढ़डा के मंदिर की कोठारी पदवी प्रदान की और अपनी अत्यंत प्रसन्नता बताई।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **भादरा में महाराज द्वारा कही गई मूलजी की महिमा :** आ. सं. १८७० में स्वामी एकबार कुंडल नामक गाँव में पधारे। तब सारंगपुर के सभी सन्त उनके दर्शनार्थे गए थे।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **एकात्मभाव :** तब महाराज, मुकतानंद स्वामी के साथ फाल्गु नदी पर स्नान करने गए। स्नान करते महाराज का एक पाँव तीन पत्थरों के बीच फँस गया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **स्वामी के सत्संगी :** पांचाल के हरिभक्तों को महाराज के प्रति अनन्य प्रेम था। उनमें एक थे चाडिया गाँव के राम भंडेरी। उनको एकबार मन में चिंता हुई।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **भक्त वत्सल :** जहाँ रस का कोल्हू चलता था, वहाँ एक दिन शामजी अपने भाईओं के साथ गाँव के तालाब में पहुँच गया। उसके ताऊ कुछ काम से बाहर गए हुए थे।

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **श्रीहरि के साथ प्रथम मिलाप :** सुंदरजी भक्त की उम्र अब सोलह वर्ष की हुई थी। अक्षरब्रह्म पुरुषोत्तम भगवान वर्णीवेश नीलकंठ देश में भ्रमण करते हुए कालवाणी गाँव पधारे थे।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**